दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक मुमताज हाशमी का निधन

उर्दू भाषा और शिक्षा के सेवक के इंतकाल से शैक्षणिक व सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर

बीड़, संवाददाता:

जिला परिषद स्कूल के सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक जनाब मुमताज अली सैयद अमीर अली हाशमी का आज ७ मई की सुबह निधन हो गया। उनकी आयु लगभग साठ वर्ष थी। उनके निधन की खबर से शैक्षणिक, साहित्यिक और सामाजिक क्षेत्रों में गहरा शोक व्याप्त हो गया।

मरहूम अपने नाम की तरह वास्तव में एक प्रतिष्ठित और लोकप्रिय व्यक्तित्व के स्वामी थे। शिक्षकों, विद्यार्थियों तथा बुद्धिजीवी वर्ग में उन्हें अत्यंत सम्मान प्राप्त था। वे उर्दू भाषा के सच्चे प्रेमी थे और उसके प्रचार-प्रसार एवं संरक्षण के लिए निरंतर ▶▶पान ४ पे

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-२ ला | अंक-१०९ वा | शुक्रवार ८ मे २०२६ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

बीड़ के पूर्व जिला कलेक्टर अविनाश पाठक को पुलिस ने किया गिरफ्तार: 'जमीन मुआवजा घोटाला' मामले में बड़ी कार्रवाई

लातूर (मुहम्मद मुस्लिम कबीर)

बीड़ के पूर्व जिला कलेक्टर और आईएएस अधिकारी अविनाश पाठक को पुलिस ने आज लातूर से गिरफ्तार कर लिया है। उन पर जमीन अधिग्रहण के मुआवजे में करोड़ों रुपये के घोटाले का गंभीर आरोप है। अविनाश पाठक, जो बीड़ में जिला कलेक्टर के पद पर तैनात थे, पर आरोप है कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान जमीन मुआवजे से संबंधित फाइलों पर पिछली तारीखों के हस्ताक्षर करके बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया। बीड़ के शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में इस मामले में कुल १० लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था, जिसमें अविनाश पाठक का नाम भी शामिल है।

बीड़ पुलिस की एक विशेष टीम ने आज सुबह लातूर के गांधी चौक पुलिस स्टेशन क्षेत्र से उन्हें हिरासत में लिया। उन पर लगभग १५४ मामलों में बीड़ जिले के विभिन्न स्थानों से गुजरने वाली राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए जमीन अधिग्रहण के जाली ऑर्डर तैयार करने और सरकारी खजाने को ७३ करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाने का आरोप है।

पुलिस के आधिकारिक प्रेस नोट के अनुसार, उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की विभिन्न धाराओं – ३१८(४), ३१६(५), १९८, १९९, ३१(२), ३१६, ३३६(३), ३३८, ३४०(२), ३५१(४) – तथा एंटी करप्शन एक्ट की धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है।

प्रशासन का सख्त रुख

अविनाश पाठक का प्रशासनिक करियर काफी विवादों में रहा है। बीड़ से तबादले के बाद उन्हें मुंबई में फिशरीज कमिश्नर के पद पर नियुक्त किया गया था, लेकिन वहां से भी उन्हें तुरंत हटा दिया गया था। उनके खिलाफ बढ़ती शिकायतों और संदिग्ध कार्यों को देखते हुए राज्य सरकार ने उन्हें बिना किसी पोस्टिंग के 'वेटिंग' पर रखा हुआ था।

यह कार्रवाई बीड़ के असिस्टेंट सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस (ASP) के नेतृत्व में की गई। पुलिस का कहना है कि इस घोटाले की जड़ें बहुत गहरी हैं और इसमें कई अन्य अधिकारी तथा मध्यस्थ (एजेंट्स) के शामिल होने का शक है।

वर्तमान में अविनाश पाठक को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए बीड़ ले जाया गया है।

जय पवार के जनता दरबार में दिव्यांग, गूंगा-बधिर नागरिकों की भारी भीड़

बारामती: संवाददाता

नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के युवा नेता जय अजित दादा पवार द्वारा बारामती में आयोजित जनता दरबार में दिव्यांग, गूंगे-बधिर और विशेष आवश्यकता वाले व्यक्तियों की बड़ी संख्या ने भाग लिया और अपने समस्याओं को रखा। इस अवसर पर जय पवार ने नागरिकों की समस्याएं विस्तार से सुनीं और संबंधित अधिकारियों से तुरंत संपर्क कर उनके शीघ्र समाधान के निर्देश दिए।

विस्तृत जानकारी:

बारामती में आयोजित जनता दरबार के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने बुनियादी सुविधाओं, सरकारी सहायता, चिकित्सा सुविधाओं और दिव्यांग व्यक्तियों को हो रही परेशानियों के संबंध में अपनी शिकायतें दर्ज कराईं। खासतौर पर गूंगे-बधिर और दिव्यांग नागरिकों की बड़ी संख्या ने सबका ध्यान आकर्षित किया।

जय पवार ने हर नागरिक से धैर्यपूर्वक बातचीत की और मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारियों से फोन पर संपर्क करके समस्याओं के तुरंत समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने दिव्यांग नागरिकों से विशेष रूप से मुलाकात की और उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि साधारण नागरिकों के साथ-साथ विशेष आवश्यकता वाले व्यक्तियों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करना उनकी जिम्मेदारी है।

नागरिकों की प्रतिक्रिया:

इस दौरान कई दिव्यांग नागरिकों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जय पवार में दिवंगत लोकप्रिय नेता अजित दादा पवार की झलक दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि जिस तरह अजित दादा पवार जन समस्याओं को तुरंत समझकर मदद किया करते थे, उसी तरह जय ▶▶पान ४ पे

पायधुनी के 'उस' परिवार की मौत चूहा मारने की दवा से हुई; तरबूज से नहीं, जांच में खुलासा

मुंबई: जमीर काजी

पायधुनी इलाके के डोकाडिया परिवार के चार सदस्यों की अचानक हुई मौत का असली कारण आखिरकार चिकित्सकीय जांच में सामने आ गया है। अब्दुल्ला डोकाडिया दंपति और उनकी दोनों बेटियों के शरीर में चूहा मारने वाली दवा जिंक फॉस्फाइड (Zinc Phosphide) के अंश पाए गए हैं। इससे साफ हो गया है कि बिरयानी और उसके बाद तरबूज खाने से फूड पॉइजनिंग नहीं हुई थी।

२६ अप्रैल को कुछ ही घंटों के अंतराल में अब्दुल्ला डोकाडिया (४४), उनकी पत्नी नसरीन (३५), बेटी आयेशा (१६) और ज़ैनब (१३) की मौत हो गई थी। इस घटना से पूरे इलाके में खलबली मच गई थी। शुरुआत में लोगों ने फूड पॉइजनिंग की आशंका जताई थी, जिसके चलते तरबूज की बिक्री पर भारी असर पड़ा था।

मृतकों के शरीर और तरबूज के नमूनों दोनों में जिंक फॉस्फाइड के अंश मिले हैं। परिवार ने २५ अप्रैल की रात को बिरयानी खाई थी और उसके बाद आधी रात में तरबूज खाया था। इसके बाद सुबह से उन्हें दस्त और उल्टियां शुरू हो गई थीं।

शुरुआत में इसे फूड पॉइजनिंग का मामला माना जा रहा था, लेकिन फॉरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद पूरे मामले ने नया मोड़ ले लिया। सूत्रों के अनुसार, जब मृतकों के शरीर का पोस्टमॉर्टम किया गया तो डॉक्टर भी हैरान रह गए। उनके आंतरिक अंगों - मस्तिष्क, हृदय और आंतों - का रंग हरा हो गया था। आमतौर पर शरीर के अंगों का रंग बदलना विषाक्तता (poisoning) के कारण होता है।

पुणे में रोज एक बलात्कार, क्रेटा गैंग, नशीले पदार्थों और गुंडागर्दी में इजाफा-हर्षवर्धन सपकाल

मुंबई/ जमीर काजी

महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस के राज्य अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने पुणे में बढ़ते अपराधों, महिलाओं पर यौन अत्याचार, नशीले पदार्थों के कारोबार और गुंडागर्दी को लेकर राज्य सरकार और मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जिन्हें 'नए पुणे का निर्माता' बताया जा रहा है, उसी के कार्यकाल में शहर की कानून-व्यवस्था की स्थिति बेहद चिंताजनक हो गई है।

पुणे नगर निगम में कांग्रेस के पार्षद प्रशांत जगताप द्वारा आइकॉन चौक, वानवडी में लगाए गए ४५ मीटर ऊंचे राष्ट्रध्वज स्तंभ के उद्घाटन समारोह और कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि पुणे शहर में जगह-जगह 'देवेंद्र फड़णवीस - नए पुणे के निर्माता' के पोस्टर और बैनर लगाए जा रहे हैं, लेकिन हकीकत यह है कि इसी पुणे में महिलाओं पर यौन अत्याचार के मामले खतरनाक स्तर पर बढ़ गए हैं। उन्होंने बताया कि केवल जनवरी से मार्च के बीच ७०० यौन शोषण के मामले दर्ज हुए हैं और शहर में रोजाना एक बलात्कार का मामला सामने आ रहा है।

सपकाल ने कहा कि पुणे में नशीले पदार्थों का कारोबार खुलेआम चल रहा है, क्रेटा गैंग का आतंक जारी है, जबकि गुलटेकड़ी मार्केट यार्ड में गुंडा तत्वों की दखलंदाजी बढ़ रही है। उन्होंने सवाल किया कि क्या यही 'नए पुणे' का निर्माण है और क्या इन सारी स्थितियों के लिए देवेंद्र फड़णवीस जिम्मेदार नहीं हैं?

इस मौके पर पुणे कांग्रेस के शहर अध्यक्ष अरविंद शिंदे, पूर्व राज्य मंत्री रमेश बागवे, पूर्व विधायक मोहन जोशी, कोषाध्यक्ष अभय चाऊगुले, पूर्व विधायक दीप्ति चौधरी समेत कांग्रेस के बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरुआत नसरापुर, पुणे में चार वर्षीय पीड़ित बच्ची और महिलाओं-बच्चों पर अत्याचार के अन्य पीड़ितों को श्रद्धांजलि देकर की गई।

एपस्टीन फाइल पर हमला

हर्षवर्धन सपकाल ने अपने भाषण में चर्चित एपस्टीन फाइल का जिक्र करते हुए कहा कि इस मामले ने पूरी दुनिया में हलचल मचा दी है। उन्होंने दावा किया कि एपस्टीन फाइल में ▶▶पान ४ पे

सुधारित राष्ट्रीय निवृत्तिवेतन योजना आखिर लागू; वेतन के ५० प्रतिशत निवृत्तिवेतन

मुंबई जमीर काजी

सुधारित निवृत्तिवेतन के लिए १७ लाख सरकारी कर्मचारियों द्वारा लड़े गए संघर्ष को आखिरकार सफलता मिल गई है। मार्च २०२४ से योजना लागू होने के बावजूद लंबित रही कार्यप्रणाली को सरकार द्वारा अंततः लागू कर दिया गया है।

मुख्य बातें:

२० वर्ष या उससे अधिक सेवा पूरे करने वाले कर्मचारियों को उनके अंतिम वेतन के ५० प्रतिशत निवृत्तिवेतन और महंगाई भत्ता वृद्धि लागू की गई है। बेशक, इसके लिए कर्मचारियों को सुधारित योजना स्वीकार करनी होगी।

पृष्ठभूमि:

राज्य सरकार ने २००५ के बाद सेवा में आए कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना बंद कर दी थी। इसके विरोध में २०२३ में कर्मचारियों के आंदोलन के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सुधारित निवृत्तिवेतन योजना का आश्वासन दिया था। इसके बाद १ मार्च २०२४ से राज्य सरकारी सुधारित राष्ट्रीय निवृत्तिवेतन योजना (RNPS) लागू की गई।

लेकिन कार्यप्रणाली न लागू होने के कारण मार्च २०२४ से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों का पेंशन अटका हुआ था। बार-बार आंदोलनों के बाद अब यह कार्यप्रणाली लागू कर दी गई है। यह योजना केवल राष्ट्रीय निवृत्तिवेतन प्रणाली (छझड) का विकल्प चुनने वाले कर्मचारियों पर ही लागू होगी।

केंद्र और राज्य की मांग:

केंद्र सरकार ने पेंशन योजना में सुधार करते हुए अंतिम वेतन के ५०% पेंशन लागू किया था। उसी तर्ज पर राज्य में भी यही मांग की जा रही थी। २०२४ के लोकसभा और ▶▶पान ४ पे

वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं की ओर सरकार का उदासीन रवैया; बढ़ता असंतोष आंदोलन की दिशा में-डॉ. हंसराज वैद्य

नांदेड़, ७ मई (प्रतिनिधि):

राज्य के वरिष्ठ नागरिकों की विभिन्न लंबित मांगों की ओर सरकार द्वारा लगातार किए जा रहे उपेक्षापूर्ण रवैये के कारण वरिष्ठ नागरिकों में गहरा असंतोष और नाराज़गी बढ़ती जा रही है। इसी के चलते जल्द ही राज्यव्यापी विरोध मोर्चा आंदोलन शुरू करने की तैयारियाँ तेज़ हो गई हैं। यह जानकारी वरिष्ठ नागरिक संगठनों की ओर से दी गई है।

करीब एक वर्ष से वरिष्ठ नागरिक सुविधा प्रदान अधिनियम २०२५ का विधेयक विधानसभा में लंबित पड़ा हुआ है। सरकार द्वारा इस संबंध में राजपत्र भी प्रकाशित किया जा चुका है। इस मुद्दे पर डॉ. राहुल पाटील ने विधानसभा में विस्तार से अपनी भूमिका प्रस्तुत की थी। इसके बाद नांदेड़ दक्षिण के विधायक आनंदराव तिडके पाटील बोंढारकर ने लगातार दो विधानसभा सत्रों में वरिष्ठ नागरिकों के न्यायोचित अधिकारों के लिए जोरदार आवाज़ उठाई।

इसी प्रकार, हिंगोली जिले के वसमत क्षेत्र के विधायक राजू भाऊ नवघरे ने भी वरिष्ठ नागरिकों के मानधन तथा अन्य लंबित मांगों पर सरकार से तत्काल निर्णय लेने की प्रभावी मांग सदन में की थी।

हाल ही में नासिक में आयोजित राज्यस्तरीय वरिष्ठ नागरिक अधिवेशन में राज्य के ३६ जिलों से लगभग चार हजार प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। इस अधिवेशन में विभिन्न जनप्रतिनिधियों, गणमान्य व्यक्तियों तथा मंत्रिमंडल के संबंधित तीन मंत्रियों की उपस्थिति में वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की गई। ▶▶पान ४ पे

महाराष्ट्र बोर्ड की १० वीं कक्षा का परिणाम ८ मई को ऑनलाइन घोषित होग

बीड संवाददाता

महाराष्ट्र स्टेट बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एंड हायर सेकेंडरी एजुकेशन ने फरवरी-मार्च २०२६ में आयोजित १०वीं कक्षा की परीक्षा के परिणाम घोषित करने का कार्यक्रम जारी कर दिया है। बोर्ड के अनुसार, परिणाम शुक्रवार ८ मई २०२६ को दोपहर १ बजे ऑनलाइन घोषित किए जाएंगे। ▶▶पान ४ पे

सूफी फाउंडेशन और फ्रेंडस फॉर यू फाउंडेशन की ओर से तमाम बिरादरियों की एक साथ ११ इज्तेमाई शादियों का कामयाब प्रोग्राम

जलगांव : शादी (निकाह) को आसान करो ये प्यारे नबी हज़रत मोहम्मद (स) का फरमान है, आज लाखों रुपए शादियों में फ़िज़ूल फालतू नाच गानों और वीडियो गिराफी और लॉन्स, दिखावा करने में उड़ाए जा रहे हैं, जो पैसा बच्चों की अच्छी तालीम पर खर्च होना चाहिए था वह शादियों मंगनियो पर समाज खर्च कर रहा है, ये सरासर गलत बात और बड़ा संगीन गुनाह है, देखा देखी सीरियल और फिल्मों का कल्चर आम हो रहा है जिस की वजह से शादी महंगी और ज़िना सस्ता हो गया है, पूरा माहौल खराब हो गया है, ऐसे में गरीब बेटियों का निकाह मुश्किल हो गया है, इसका इलाज यही है कि इज्तेमाई शादियों का रिवाज आम हो, अमीर गरीब सब शामिल हो, बिरादरीवाद भी ख़त्म हो तो बहुत आसानियां हो सकती है, ऐसी अहम बातें आज सूफी फाउंडेशन और फ्रेंडस फॉर यू फाउंडेशन की ओर से समूह लग्न (इज्तेमाई शादियों) के प्रोग्राम में जमीयत उलमा के अध्यक्ष मुफ्ती मोहम्मद हारून नदवी साहब ने अपने बयान में कही, आज इकरा कॉलेज के ग्राउंड पर ११ इज्तेमाई शादियों का कामयाब प्रोग्राम हुआ, जिस में १ रूपये में शादी के अनवन से बड़ा शानदार प्रोग्राम सजाया गया था, इन दोनों फाउंडेशन के जिम्मेदारों को आए हुए तमाम सियासी समाजी जिम्मेदारों ने खूब बधाई एवं दुआएं दी, और सराहना करते हुए अब्दुल करीम सालार, एजाज़ मालिक, फारूक शेख सबने कहा कि ये वक़्त की ज़रूरत है कि इज्तेमाई शादियों का ऐसा नज़्म किया जाए और समाज के लिए शादियों को आसान बनाया जाए।

फाउंडेशन के जिम्मेदारों ने दुलहा दुल्हन के लिए ज़िंदगी गुजारने का ज़रूरी सामान भी अपनी तरफ से तोहफा दिया, खास बात ये कि किसी से कोई चंदा मदद, जकात सदका की रकम नहीं ली गई, सब काम लिललाह किया गया। सूफी फाउंडेशन समाज सेवा में बहुत ही बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेती है, इसलिए शहर और ज़िला के तमाम ही राजनितिक सामाजिक संगठन के जिम्मेदार कार्यकर्ता बड़ी संख्या में इस समूह लग्न में शरीक रहे,३००० लोगों के खाने का बेहतरीन इंतेज़ाम भी फाउंडेशन की ओर से किया गया था।

पंकज बाबासाहेब सानप को रोजगार गारंटी योजना के मजदूर को 'इतर पिछड़ा बहुजन कल्याण' विभाग के आशीर्वाद से दी गई शिक्षक मान्यता!

बीड जिले में हलचल; मजदूर और शिक्षक दोनों कामों से लाखों रुपये हड़पने का गंभीर मामला

बीड (प्रतिनिधि):

एक ओर सुशिक्षित बेरोजगार नौकरी की तलाश में भटक रहे हैं, वहीं बीड जिले में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (MGNREG-) के तहत मजदूर के रूप में काम करने वाले एक व्यक्ति को 'इतर पिछड़ा बहुजन कल्याण' विभाग की मेहरबानी से शिक्षक के रूप में मान्यता दे दी गई। आरोप है कि इस व्यक्ति ने सरकारी खजाने से लाखों रुपये वेतन के रूप में हड़प लिए। तक्रारकर्ताओं ने सबूतों के साथ यह मामला उजागर किया है। इस मामले में जिला अधिकारी और पुलिस अधीक्षक को सबूतों सहित शिकायत दी गई है और ऋखठ दर्ज करने की मांग की जा रही है।

मामला क्या है?

प्राप्त जानकारी के अनुसार, श्री पंकज बाबासाहेब सानप को पाटोदा तालुका के वडझरी स्थित 'प्राथमिक आश्रम शाला वडझरी' में शिक्षक के रूप में कार्यरत दिखाया गया। लेकिन सबसे shocking बात यह है कि उसी अवधि में उन्होंने चत्रऋछठएत्रऋ- योजना के तहत मजदूर के रूप में रजिस्ट्रेशन कर मजदूरी भी ली। एक ही समय में एक व्यक्ति पूर्णकालिक मजदूर और शिक्षक कैसे हो सकता है, यह सवाल अब उठ रहा है।

शिकायत के गंभीर मुद्दे:

अवैध शिक्षक मान्यता:

पंकज बाबासाहेब सानप की नियुक्ति के समय 'दैनिक झुंजार नेता' में जो विज्ञापन दिया गया था, वह उस दिन के अखबार में था ही नहीं। बिंदू नामावली में उनके पद के लिए कोई रिक्ति नहीं थी। शैक्षणिक वर्ष २०१३-१४ से लेकर आज तक संच मान्यता में भी उनके पद की कोई रिक्ति नहीं है। उनके पास अनिवार्य ढएढ (शिक्षक पात्रता परीक्षा) उत्तीर्ण प्रमाणपत्र भी नहीं है। बिना किसी योग्यता के नियमों को तोड़कर व्यक्तिगत रूप से मान्यता दी गई।

एक साथ दो लाभ:

२०१३ से अब तक संबंधित व्यक्ति ने शिक्षक के रूप में सरकारी खजाने से ५० लाख रुपये से अधिक वेतन लिया, साथ ही रोजगार गारंटी योजना (रोहयो) के मस्टर पर हाजिरी लगाकर मजदूरी भी वसूली।

सांठगांठ से घोटाला:

शाला के मुख्याध्यापक श्री प्रवीण लिंबाजी वनवे, संस्था संचालक और संबंधित शिक्षक आपस में करीबी रिश्तेदार हैं। आरोप है कि उन्होंने मिलीभगत से जाली कागजात और हाजिरी रजिस्टर तैयार कर सरकारी धन का बड़ा अपहरण किया।

काम पर अनुपस्थित:

तक्रारकर्ताओं का दावा है कि पंकज सानप ने न तो शाला में कभी पढ़ाई की और न ही रोजगार गारंटी योजना में वास्तव में मजदूरी की। सब कुछ कागजी खाते पर आर्थिक गबन किया गया।

प्रशासनिक कार्रवाई:

इस मामले की गंभीरता को देखते हुए अपर जिला अधिकारी, बीड ने पुलिस अधीक्षक, बीड को पत्र (क्र. २०३६/आरबी-डेस्क-१/पोल-१/निवेदन/कावि-२१३९) भेजकर तुरंत जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इतर पिछड़ा बहुजन कल्याण विभाग के सहायक निदेशक ने भी इस मामले की जांच रिपोर्ट मांगी है।

तक्रारकर्ताओं की मांग:

दीपक सयाजीराव बांगर, राहुल अनिल थिटे और अन्य कर्मचारियों ने आक्रामक रुख अपनाया है। उन्होंने मांग की है कि:

पंकज बाबासाहेब सानप की शिक्षक मान्यता तुरंत रद्द की जाए और उन्हें नौकरी से बर्खास्त किया जाए।

अब तक लिए गए सभी पैसे ब्याज समेत वसूले जाएं।

जाली दस्तावेज बनाने वालों के खिलाफ तुरंत फौजदारी मुकदमा दर्ज किया जाए।

प्रतिक्रिया:

यह सीधे-सीधे सरकारी धन का अपहरण है। एक ही समय में मजदूर और शिक्षक दोनों के रूप में वेतन लेना कानूनी अपराध है। प्रशासन इस पर सख्त कार्रवाई कर अपराध दर्ज करने की प्रक्रिया जल्द शुरू करेगा, ऐसी हमें प्रशासन से उम्मीद है।

डॉ. गणेश ढवळे को दैनिक लोकनेता का 'समाजरत्न २०२६' राज्यस्तरीय पुरस्कार घोषित

बीड़, ७ मई:

दैनिक लोकनेता के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित राज्यस्तरीय पुरस्कार समारोह के लिए वर्ष २०२६ के सम्मानित व्यक्तियों की घोषणा कर दी गई है। बीड़ जिले के विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर लगातार आवाज उठाने वाले सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. गणेश ढवळे लिंबागणेशकर को प्रतिष्ठित 'समाजरत्न २०२६' राज्यस्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई है।

ग्रामीण क्षेत्रों की सरकारी स्कूलों में मूलभूत सुविधाओं की कमी, आत्महत्या प्रभावित किसान, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पानी, वृक्षारोपण तथा अन्य जनहित के मुद्दों पर अनोखे और प्रभावशाली आंदोलनों के माध्यम से शासन स्तर पर लगातार प्रयास और पैरवी करने के कारण उनके कार्यों को विशेष रूप से सराहा गया है।

डॉ. ढवळे वर्तमान में महाराष्ट्र राज्य सूचना अधिकार कार्यकर्ता महासंघ, बीड़ जिला के मुख्य प्रचार प्रमुख के रूप में भी कार्यरत हैं।

यह विशेष पुरस्कार समारोह १० मई को जीवीटी कृषि कुल, सिरसाळा, तहसील परळी वैजनाथ में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर विश्व प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. तात्याराव लहाने, रावसाहेब घुगे तथा मेघना झुझम के हाथों उन्हें सम्मानचिह्न एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

समाज में प्रेरणादायक कार्य करने वाले व्यक्तियों के योगदान को सम्मानित करने के उद्देश्य से इस पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया है। यह जानकारी दैनिक लोकनेता परिवार के मुख्य संपादक ज्ञानेश्वर मुंडे तथा उपसंपादक विजय रोडे ने दी।

डॉ. गणेश ढवळे के इस चयन पर सामाजिक, शैक्षणिक और पर्यावरण क्षेत्र से जुड़े कार्यकर्ताओं तथा शुभचिंतकों द्वारा उन्हें बधाइयाँ दी जा रही हैं।

एएसआई अफ़ज़ल यूसुफ़ खान डीजीपी इंसिग्निया अवॉर्ड से सम्मानित

जलगांव (अकिल खान ब्यावली)

महाराष्ट्र पुलिस के जलगांव पुलिस विभाग के बैंड शाखा में एएसआई पद पर कार्यरत अफ़ज़ल यूसुफ़ खान को वर्ष २०२५ के प्रतिष्ठित डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी इंसिग्निया) अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान ज़िला पालक मंत्री गुलाब राव पाटील के करकमलों द्वारा प्रदान किया गया। अज़हर खान पिछले लगभग २५ से २७ वर्षों से पुलिस विभाग में निष्ठापूर्वक सेवाएँ दे रहे हैं। उनकी कार्यकुशलता, त्वरित निर्णय क्षमता, समय पर कर्तव्य पालन,अनुशासन, ईमानदारी तथा निरंतर बेदाग सेवाओं को ध्यान में रखते हुए उन्हें इस उच्च सम्मान से नवाज़ा गया। वर्तमान में वे पुलिस बैंड शाखा में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। उन्होंने शास्त्रीय संगीत की शिक्षा अपने दौर के प्रसिद्ध पुलिस बैंड मास्टर स्वर्गीय बन्ने खान के मार्गदर्शन में प्राप्त की। अज़हर खान एक कुशल क्लासिकल क्लैरिनेट वादक के रूप में भी अपनी विशेष पहचान रखते हैं।

व्यक्तिगत जीवन में वे नमाज़ और धार्मिक आचरण के पाबंद,सूफी विचारधारा के अनुयायी तथा अपने सहकर्मियों को सकारात्मक दिशा देने वाले व्यक्तित्व के रूप में जाने जाते हैं। उनके पिता स्वर्गीय यूसुफ़ खान भी औलिया-ए-किराम के सेवक और सम्मानित व्यक्तित्व के रूप में प्रसिद्ध थे। इस सम्मान से पुलिस विभाग, बैंड शाखा तथा उनके मित्रों और शुभचिंतकों में हर्ष और गौरव का वातावरण है। इस अवसर पर ज़िला पुलिस अधीक्षक, उप पुलिस अधीक्षक, ज़िला कलेक्टर सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

पान १ वरून

सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक...

सक्रिय रहते थे। मराठवाड़ा क्षेत्र में उर्दू स्कूलों, उर्दू शिक्षकों तथा उनके अधिकारों और समस्याओं के समाधान के लिए उन्होंने साहसपूर्ण नेतृत्व और प्रतिनिधित्व किया। इस दिशा में उनकी सेवाएं और संघर्ष निश्चित रूप से सराहनीय एवं अविस्मरणीय हैं। उन्होंने सदैव शिक्षा, ईमानदारी और समाजसेवा को अपने जीवन का उद्देश्य बनाए रखा, जिसके कारण वे जनसामान्य में अत्यंत सम्मानित थे।

उनकी नमाज़-ए-जनाज़ा बाद नमाज़-ए-मग़रिब तकिया कब्रिस्तान में अदा की गई, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने भाग लिया। इसके पश्चात समीपस्थ कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया।

अल्लाह तआला से दुआ है कि वह मरहूम की मग़फिरत फरमाए, उनकी सेवाओं को कबूलियत अता करे तथा परिजनों को सब्र-ए-जमील प्रदान करे।दैनिक तामीर हाशमी परिवार के दुःख में बराबर शरिक है ।

जय पवार के जनता दरबार...

पवार भी उनकी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए तुरंत कार्रवाई कर रहे हैं।

नागरिकों ने जय पवार के जनसेवी अंदाज और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता की सराहना की और उम्मीद जताई कि वे भविष्य में भी इसी तरह जन समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय रहेंगे।

जनता दरबार के माध्यम से जय पवार ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया कि आम नागरिकों, दिव्यांगों और गूंगे-बधिर वर्ग की समस्याओं को प्राथमिकता पर हल करना और उनके लिए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करना उनकी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है।

पुणे में रोज एक बलात्कार,...

भारत की दो महत्वपूर्ण हस्तियों के नाम शामिल हैं, जिनमें केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम भी बताया जा रहा है। सपकाल ने आरोप लगाया कि एपस्टीन फाइल सामने आने के बाद नरेंद्र मोदी अमेरिका के दबाव में काम कर रहे हैं, जिसके चलते 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान अचानक युद्धविराम का ऐलान हुआ, व्यापारिक समझौता किया गया और रूस से कच्चा तेल न खरीदने के निर्देश भी अमेरिका की ओर से दिए जा रहे हैं, जबकि प्रधानमंत्री चुप हैं। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि नरेंद्र सरेंडर हो चुके हैं।

राष्ट्रीय ध्वज पर टिप्पणी

राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के बारे में बात करते हुए सपकाल ने कहा कि जिस तिरंगे की रक्षा के लिए हजारों लोगों ने अपनी जानें दीं और सीने पर गोलियां खाईं, वह तिरंगा आरएसएस के दफ्तर पर कई दशकों तक नहीं फहराया गया। उन्होंने कहा कि तिरंगे का केसरिया रंग बलिदान का प्रतीक है, सफेद रंग सत्य और प्रकाश का, हरा रंग समृद्धि और हरियाली का, जबकि अशोक चक्र प्रगति और गति का प्रतीक है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस इन तीनों रंगों के दर्शन को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं।

५४ किलोमीटर ींपिवशीर्सींपिव सड़क पर सवाल

सपकाल ने पुणे के ३४,००० करोड़ रुपये के ५४ किलोमीटर लंबे ींपिवशीर्सींपिव सड़क प्रोजेक्ट पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की आशंका है। प्रोजेक्ट की घोषणा से पहले न तो कोई जन सुनवाई हुई और न ही पार्षदों को विश्वास में लिया गया। उन्होंने इसे पुणे में भ्रष्टाचार की जड़ें मजबूत करने वाला प्रोजेक्ट बताया।

सुधारित राष्ट्रीय निवृत्तिवेतन...

विधानसभा चुनावों से पहले यह मांग मान ली गई थी, लेकिन शासकीय आदेश जारी नहीं हुआ था। कर्मचारियों के हड़ताल के दौरान सरकार ने १५ दिनों में आदेश जारी करने का वादा किया था, जिसके अनुसार वित्त विभाग ने अब आदेश निकाल दिया है।

महत्वपूर्ण प्रावधान:

सेवानिवृत्ति के समय मिलने वाले अंतिम मूल वेतन का ५०% राशि निवृत्तिवेतन के रूप में दी जाएगी।

सुधारित योजना का विकल्प चुनने के लिए ३१ दिसंबर २०२६ तक विभाग प्रमुख को लिखित सूचना देनी होगी। केवल विकल्प चुनने वाले कर्मचारियों को ही यह योजना लागू होगी।

न्यूनतम निवृत्तिवेतन: ७,५००

१० वर्ष से कम सेवा पर निवृत्तिवेतन नहीं मिलेगा।

१० से २० वर्ष की सेवा पर सेवा अवधि के अनुसार आनुपातिक पेंशन।

परिवार पेंशन: पेंशन का ६०% + महंगाई भत्ता।

अन्य शर्तें:

सुधारित योजना चुनने वाले कर्मचारियों को अपने झत्रऋ (झत्रऋठऊ-) में जमा ६०% संचित राशि सरकार को जमा करनी होगी। बाकी ४०% पर वार्षिकी का समायोजन होगा। यदि पहले कोई राशि निकाली गई हो तो १०% ब्याज सहित लौटानी होगी।

राजीनामा देने वाले कर्मचारियों को यह योजना लागू नहीं होगी। मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थानों, विश्वविद्यालयों, अनुदानित महाविद्यालयों और जिला परिषद कर्मचारियों पर भी यह लागू रहेगी।

वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं की ओर ...

इस अवसर पर संबंधित मंत्रियों ने मुख्यमंत्री के साथ चर्चा कर वरिष्ठ नागरिकों की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक और सकारात्मक निर्णय लेने का आश्वासन दिया था।

इसके बावजूद उत्तर महाराष्ट्र प्रादेशिक विभागीय वरिष्ठ नागरिक संघ फेस्काम की ओर से कई बार सरकार को ज्ञापन सौंपकर मांगों की पूर्ति की अपील की गई, लेकिन वरिष्ठ नागरिकों के मानधन सहित अन्य महत्वपूर्ण मांगों की लगातार अनदेखी किए जाने का आरोप संगठनों द्वारा लगाया जा रहा है।

इस कारण राज्यभर के वरिष्ठ नागरिकों में रोष की भावना तेज़ होती जा रही है और सरकार के खिलाफ व्यापक विरोध मोर्चा आंदोलन शुरू करने की मांग लगातार उठ रही है। वरिष्ठ नागरिकों ने सरकार से अपील की है कि समय गंवाए बिना उनकी मांगों पर तत्काल निर्णय लिया जाए, उन्हें सम्मानजनक मानधन दिया जाए तथा इस उम्र में उन्हें सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने की नौबत न आने दी जाए।

महाराष्ट्र बोर्ड की १० वीं ...

विद्यार्थी अपना परिणाम बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइटों पर जाकर देख सकेंगे। परिणाम देखने के लिए छात्रों को अपना सीट नंबर और मांगी गई आवश्यक जानकारी दर्ज करनी होगी।

बोर्ड प्रशासन ने सभी विद्यार्थियों और अभिभावकों से अपील की है कि वे केवल आधिकारिक वेबसाइटों पर ही भरोसा करें और अफवाहों से बचें।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com